केंद्रीय बकरी अनुसन्धान संस्थान में प्राकृतिक एवं जैविक खेती में गाजरघास नियंत्रण पर प्रदर्शन का किया आयोजन

केंद्रीय बकरी अनुसन्धान संस्थान में प्राकृतिक एवं जैविक खेती में गाजरघास नियंत्रण पर प्रदर्शन का किया आयोजन

नई बातें

मथुरा। 18 अगस्त 2022 को केंद्रीय बकरी अनुसन्धान संस्थान में गाजरघास जागरूकता सप्ताह के दौरान संस्थान की प्रतिष्ठित परियोजना अनुसूचित जाति विकास कार्य योजना के लाभार्थियों के लिए प्राकृतिक एवं जैविक खेती में गाजरघास नियंत्रण पर प्रदर्शन का आयोजन किया गया। जिसमे फरह एवं बल्देव ब्लॉक के 10 गाँवो के 120 किसानो ने भाग लिया। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ मोहम्मद आरिफ ने सभी किसानो को गाजरघास के दुष्प्रभावों के बारे में बताया एवं इसे किस प्रकार नष्ट किया जा सकता है के बारे में विस्तार से समझाया। साथ ही प्राकृतिक एवं जैविक खेती में किस प्रकार गाजरघास को किस तरह नियंत्रित किया जा सकता है के बारे में बताया एवं गाजरघास से कम्पोस्ट बनाने के लिए एक प्रदर्शन का भी आयोजन किया गया। डॉ. अरविन्द कुमार प्रभारी कृषि प्रक्षेत्र ने यांत्रिक विधि से गाजरघास का नियंत्रण करने के बारे में बताया। डॉ. गोपाल दास परियोजना अन्वेषक ने इस परियोजना के महत्व के बारे में बताया एवं साथ ही किसान किस प्रकार बकरी एवं भेड़ पालन द्वारा अपनी आय में बढ़ा सकता है

के बारे में समझाया। संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. नितिका शर्मा एवं डॉ. विजय किशोर ने बकरियों में स्वास्थ्य प्रबंधन एवं वर्षा ऋतु में किस प्रकार बकरियों का प्रबंधन करना है के बारे में बताया। साथ ही इस कार्यक्रम के द्वारा सभी किसानो को कोरोना टीकाकरण के लिए भी जागरूक किया गया एवं कोरोना की बुस्टर डोज लगवाने के लिए भी सभी को प्रेरित किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान सभी किसानो को एक-एक बैग एवं छाता भी वितरित किया गया।